भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +**4586**

सोमवार, 22 जुलाई, 2019/31 आषाढ़, 1941 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

बौद्ध स्थलों की पहचान

+4586.श्री लावू श्रीकृष्णा देवरायालूः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) आंध्र प्रदेश में स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत चिन्हित किए गए बौद्ध स्थलों का ब्यौरा क्या है**;**

(ख) आंध्र प्रदेश में चिन्हित प्रत्येक स्थल में मंजूर, अनुमोदित और कार्यान्वित की गई/कार्यान्वित की जा रही परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है**;** और

(ग) आंध्र प्रदेश में उपर्युक्त स्थलों के विकास से राज्य में विशेष रूप से विश्व के पूर्वी भाग से बौद्ध पर्यटन आकर्षित करने में किस हद तक सहायता मिली है**?**

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री **(**स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वदेश दर्शन योजना-थीम आधारित पर्यटक परिपथों का एकीकृत विकास के तहत आंध्र प्रदेश राज्य को पर्यटन अवसंरचना के विकास हेतु स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	परिपथ/स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	निर्मुक्ति राशि
1.	तटवर्ती परिपथ (2014-15)	विश्वस्तरीय तटवर्ती एवं ईको पर्यटन परिपथ के रूप में काकीनाडा होप आईलैंड, कोनासीमा का विकास	67.**84**	64.44
2.	तटवर्ती परिपथ (2015-16)	श्री पोट्टी श्रीरामलू नेल्लोर में तटवर्ती पर्यटन परिपथ का विकास	59.70	47.76
3.	बौद्ध परिपथ (2017-18)	शलिहुण्डम- थोटलाकोण्डा- बावीकोण्डा- बोज्जनाकोण्डा - अमरावती- अनुपू का विकास।	52.34	10.47
		कुल	179.88	122.67

ये सभी परियोजनाएं कार्यान्वयन/समाप्ति के विभिन्न चरणों में हैं । इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद पर्यटन अनुभव के बेहतर होने तथा घरेलू एवं विश्व के पूर्वी हिस्से से आने वाले पर्यटकों सहित अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करके पर्यटक आगमन में वृद्धि होने की संभावना है ।

****